Pimpri Chinchwad Education Trust's
S.B. PATIL COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE, RAVET
Sr. no. 110, Gate No 1, Ravet, Pune- 412101
www.sbpatilcollege.com, email-sbpc.science@gmail.com
UDISE NO: 27252001412 College Index No: J.11.16.066

वार्षिक परीक्षा – २०१९ -२०

विषय – हिंदी (०४)

कक्षा : ११वीं
समय : 3 घंटा

अनुक्रमांक :
दिनांक :
पूर्णांक : ८०

- कृति पत्रिका के लिए सूचनाएँ :

१. शुद्ध भाषा एवं सुन्दर लेखन में उत्तर अपेक्षित है |

२. सूचनाके अनुसार गद्य – पद्य तथा पूरक -पठन की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है |

३. सभी प्रकार की आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग करना आवश्यक है |

विभाग – १ गद्य विभाग ,अंक – 20

कृति – १. (अ) – परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

अलोपीदीन : बाबू जी कहिए ! हमसे ऐसा कौन - सा अपराध हुआ जो गाड़ियाँ रोक दीं |

वंशीधर : ये सरकारी हुकुम है , गाड़ियाँ नहीं जाएँगी |

अलोपीदीन : (हंसकर) हमारे सरकार तो आप हैं , यह तो घर की बात है भला | हम कभी आपसे बाहर हो सकते हैं | ऐसा कैसे संभव है कि हम इस घाट से गुजरें और देवता को कुछ न चढ़ाएँ | आपने व्यर्थ कष्ट किया ,मैं तो खुद ही आपके पास आ रहा था आपके लिए चढ़ावा लेकर |

वंशीधर : हम उनमे से नहीं जो कौड़ियों पर अपना ईमान बेच दें आप मेरी हिरासत में है , आपका चालान होगा |

अलोपीदीन : (गिड़गिड़ाकर) बाबू साहब ऐसा मत कीजिए , हम मिट जाएँगे | माटी में मिल जाएगी , हमारा अपमान करके आपको क्या मिल जाएगा ? मान जाइए |

वंशीधर : (कठोर स्वर) मैं ऐसी कोई बात सुनना नहीं चाहता |

अलोपीदीन : (करुण स्वर में) मुख़्तार जी , १००० के नोट बाबू साहब को भेंट करो |

वंशीधर : (कड़ककर) सेठ अलोपीदीन , एक हजार नहीं , एक लाख भी मुझे सच्चे मार्ग से नहीं हटा सकते |

अलोपीदीन : आपकी मर्जी , इससे ज्यादा का मेरा सामर्थ्य नहीं |

वंशीधर : बदलूसिंह ! तुम देखते क्या हो, हिरासत में लो |

अलोपीन : बाबू साहब , ईश्वर के लिए मुझ पर दया कीजिए , मैं पच्चीस हजार पर निपटारा करने के लिए तैयार हूँ |

वंशीधर : मैंने कहा न , असंभव बात है |

अलोपीदीन : तीस हजार |

वंशीधर : नहीं , नामुमकिन है |

वंशीधर : चालीस हजार नहीं , चालीस लाख पर भी नहीं , बदलूसिंह , इस आदमी को अभी हिरासत में लो | मैं एक शब्द भी सुनना नहीं चाहता | यह समझता क्या है मुझे |

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : 02

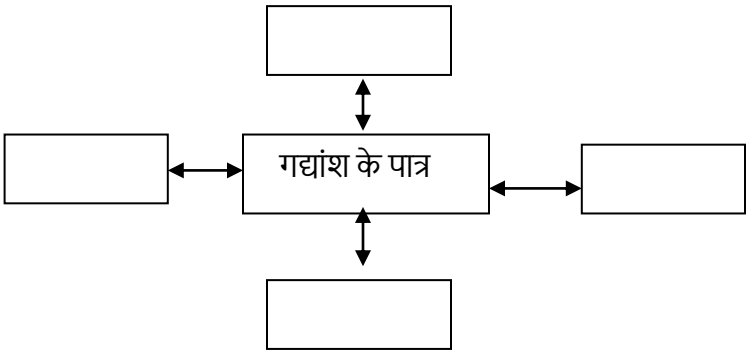

(२) कारण लिखिए:

(क) अलोपीदीन रिश्वत दे रहे थे। ----------

(ख) वंशीधर रिश्वत नहीं ले रहे थे| ----------

अभिव्यक्ति: 02

३. ' ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा सफलता के सोपान हैं' , इस पर अपना मत लिखिए |

कृति - (आ) –परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

मल्लिका ने देखा तो आँखें फटी रह गईं | कहाँ गया वह चपल रूप , वह दबंग उत्साह | यही तो था जो उन्मुक्त- सा पथों पर गए उठता था | जिसमें अहंकार नहीं था किन्तु जागरूक स्वामी रक्तबीज की भांति बार - बार उठता था और जिसकी मुखरित चंचलता एक दिन काशी को गुंजाया करती थी | यही था वह कुलीन , जो मनुष्य से प्रेम करना जनता था | यही था वह धनी जो उन्मुक्त हाथों से अपने वैभव को दरिद्र का आँचल भरने के लिए लुटाया करता था | वह भक्त था , वैष्णव था और उसमें जीवन का सहज गर्व था | वह इतना प्रचंड था कि उसने अपना महत्व विदेशियों के अधिकार को भी मनवा दिया था | वह निर्भीक व्यक्ति देश में सुधर करता घूमता था | उसने अतीत के भव्य गौरव का स्वप्न साकार कर दिया था| उसके प्रेम गीतों ने सारे भारत को ढँक दिया था | यही था वह जो अपनी खाल बेचने को तैयार था परन्तु याचक से मना नहीं कर सकता था | मल्लिका को वाद्य ध्वनियों में झूमते भारतेन्दु का रूप याद आया | सारी रात्रि कविता की बातें करते निकल जाती थी परन्तु इस व्यक्ति ने कभी छोटी बात नही की , जैसे वह किसी निम्नकोटि की बात के लिए नहीं जन्मा था | राजा - महाराजा , पंडित सबने उसे भारतेन्दु कहा था | क्यों ? क्योंकि वह नेता था | उन्होंने साहित्य , धर्म देश दारिद्रय मोचन और कला और -------और ------ अपमानित नारी के उद्धार के लिएअपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था क्या वह मनुष्य था !

(१) संजाल पूर्ण कीजिए : 02

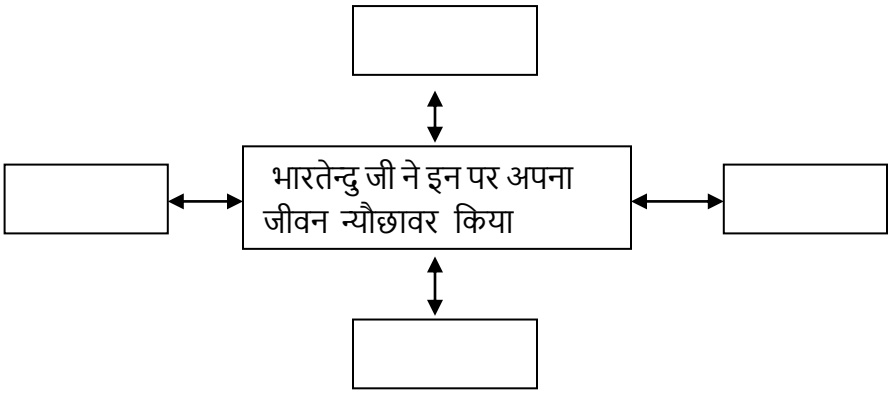

(२) सह - संबंध लिखिए - 02

(क) कुलीन - याचक को ना नहीं कर सकता था

(ख) धनी - देश में सुधर करता घूमता रहा |

(ग) निर्भीक - जो मनुष्यों से प्रेम करना जनता था |

(घ) दानी - उन्मुक्त हाथों से लोगो की मदद करता था |

३. अभिव्यक्ति 02

देश के प्रति मेरा कर्तव्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए |

(इ) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए | (३में से २) (06)

(१) समाज में मॉल के प्रति बढ़ता आकर्षण इस विषय पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए |

(२) कलम का सिपाही पाठ के आधार पर ग्रामीण और शहरी जीवन की समस्याओं पर अपने विचार लिखिए |

(३) भारत का सपूत पथ के आधार पर भारतेन्दु की उदार प्रवृत्ति का चित्रण कीजिए |

(ई) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित एक- एक वाक्य में उत्तर लिखिए | (४ में से २) (04)

(१) संतोष श्रीवास्तव जी लिखित साहित्यिक विधाएँ |

(२) दो कहानीकारों के नाम लिखिए |

(३) अब्दुल हसन का विशेष नाम लिखिए |

(४) प्रेमचंद जी का मूल नाम लिखिए |

विभाग –२, पद्य विभाग,अंक – 20

कृति -२ (अ) - पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

उठिए स्याम कलेऊ कीजै | मनमोहन मुख निरखत जी जै ||

खारिक दाख खोपरा खीरा | केरा आम ऊख रस सीरा ||

श्रीफल मधुर चिरौंजी आनी | सफरी चिउरा अरुन खुबानी ||

घेवर फेनी और सुहारी | खोवा सहित खाहु बलिहारी ||

रचि पिराक लड्डू दधि आनौं | तुमकौं भावत पूरी सँधानौं ||

तब तमोल रचि तुमहीं खावावौं | सूरदास पनवारौ पावौं ||

१.संजाल पूर्ण कीजिए : 02

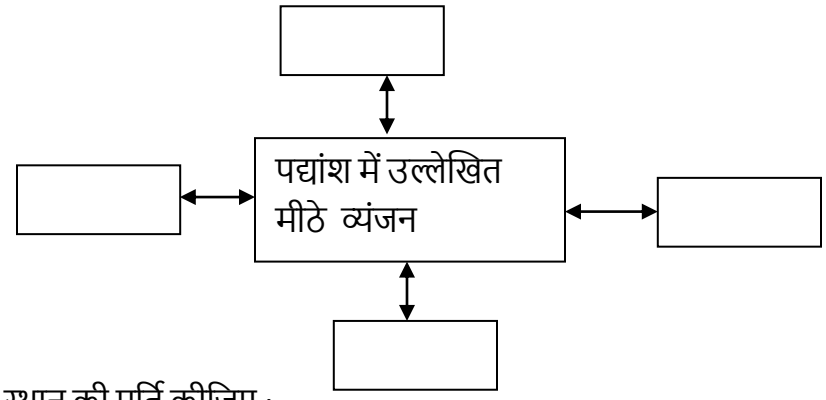

(२) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए : 02

(क) खोवा ----------खाहु बलिहारी|

(ख) तुमकौं ---------- पूरी सँधानौं |

(३) अभव्यक्ति : 02

पद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए
।

(आ) –परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

दोस्त है तो मेरा कहा भी मान
मुझसे शिकवा भी कर , बुरा भी मान
दिल को सबसे बड़ा हरीफ समझ
और इस संग को खुदा भी मान
मैं कभी सच भी बोल देता हूँ
गाहे - गाहे मेरा कहा भी मान
याद क्र देवताओं के अवतार
हम फकीरों का सिलसिला भी मान
कागजों की खामोशियाँ भी पढ़
इक - इक हर्फ को सदा भी मान

१ .लिखिए : 02

(क) दिल को समझना है - ----------

(ख) याद करना है - ----------

(ग) इन्हें पढ़ना है - ----------

(घ) इनका सिलसिला मानना है - ----------

२. (क) निम्नलिखित विधान सत्य है या असत्य लिखिए : 01

(i)कवि ने एक - एक वाक्य को सदा मानने के लिए कहा है -

(ii) कवि कभी - कभी सच भी बोल देता हूँ -

२. (ख) सही विकल्प चुनकर पंक्ति पूर्ण कीजिए : 01

इस संग को --------- भी मान (खुदा / सदा)

मुझसे ------ --- भी कर , बुरा भी मान (दोस्ती / शिकवा)

(३) अभव्यक्ति : 02

पद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए |

(इ) -निम्नलिखित मुद्दों के आधार "प्रेरणा" कविता का रसास्वादन कीजिए| 06

(i) रचनाकार का नाम– ----------

(ii) पसंद की पंक्तियाँ – ----------

(iii) पसंद के कारण – ----------

(iv) कविता की केंद्रीय कल्पना – ----------

अथवा

"सहर्ष स्वीकारा है" कविता का रसास्वादन कीजिए|

(ई) साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान पर आधारित एक- एक वाक्य में उत्तर लिखिए | (४ में से २) 04

(१) 'तार सप्तक' के दो कवियों के नाम लिखिए |

(२) त्रिवेणी काव्य की कोई दो विशेषताएँ लिखिए |

(३) कवि सुमित्रानंदन पंत जी के ज्ञानपीठ प्राप्त साहित्यिक कृति का नाम लिखिए |

(४) रामधारी सिंह को किस नाम की उपाधि दी गई है ?

विभाग –३, विशेष अध्ययन ,अंक – 10

कृति -३.(अ) निम्नलिखित संवादों के आधार पर कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

मैडम ! हमें क्यों बदनाम किया जा रहा है ? यह जहर हमने फैलाया है क्या ? पेट्रोल ,डीजल यूज न करो , कोयला यूज न करो तो गाड़ियाँ , ट्रेनें , कारखाने कैसे चलेंगे ? और थोड़ी बहुत कार्बन डाइऑक्साइड हवा में भी मिल गई तो इससे क्या अंतर पड़ता है ?

आदमी -२ ज्यादातर लोग यही कहते हैं कि क्या अंतर पड़ता है ? पर कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा इतनी बढ़ गई है कि ओजोन की परत खत्म हो रही है | धीरे - धरे उसमे छेद हो रहा है | मौसम बदल रहा है , खेती बर्बाद हो रही है , जिंदगियाँ बर्बाद हो रही हैं |पशु - पक्षी गायब हो रहे हैं |क्या वह असर नहीं है ? हमारी हवा में , हमारे पानी में , हमारी जमीन में , हमारे शरीर में जहरीली गैसे फैल रही हैं | क्या यह असर नहीं है ? यह सब कुछ जानते हुए भी हम शुतुरमुर्ग की तरह रेत में अपना मुहं गड़ाए हुए हैं |

प्रश्न -२ : खेत में अगर दवा न डालें , यूरिया न डालें , कीटनाशक न डालें , तो अच्छी फसल कैसे होगी ?अपने बीवी , बच्चों का पेट भी तो पालना है |

उत्तर - कीजिए पर इससे आपकी जमीन बंजर हो जाएगी | वहाँ कुछ नहीं उगेगा | यूरिया डालने की वजह से सब्जियों में कैमिकलआ रहा है , लोग बीमार पड़ रहे हैं |

(१) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए: 02

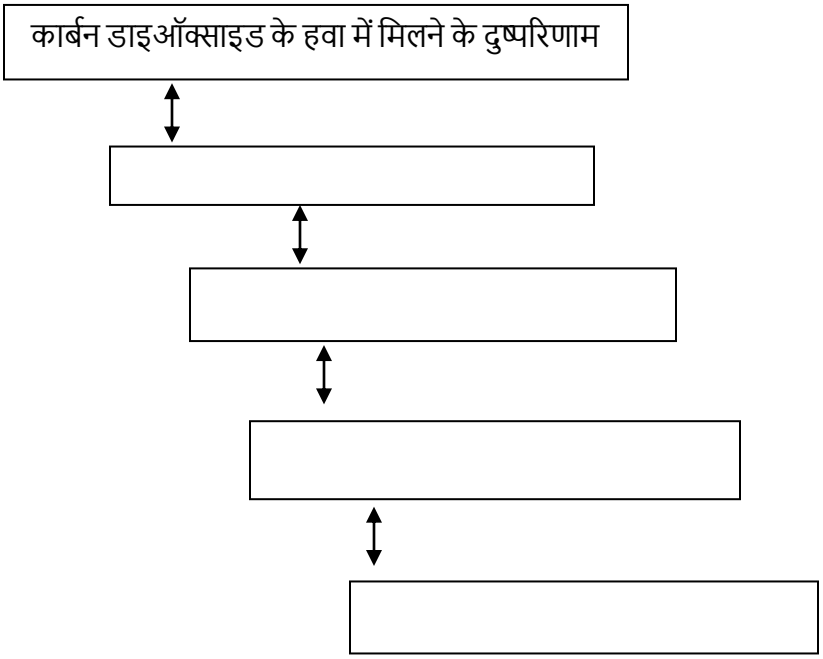

(२) कारण लिखिए : 02

(क) लोग बीमार पड़ रहे हैं क्योंकि ----------

(ख) जमीन बंजर हो रही हैं क्योंकि ----------

(३) अभिव्यक्ति : 02

पर्यावरण की रक्षा हेतु उपाय सुझाइए |

(आ) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए | (२ में से १) 04

(१) रक्त दान सर्वश्रेष्ठ दान इस विषय पर अपने विचार लिखिए|

(२) समाज के प्रति अपना योगदान |

विभाग –४, व्यावहारिक हिंदी /अपठित गद्यांश /पारिभाषिक शब्दावली विशेष ,अंक – 20

कृति -४ (अ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर १०० से १२० शब्दों में लिखिए| (२में से १) 06

(१) " आज के विद्यार्थी अध्ययन के लिए कम्प्यूटर पर निर्भर हैं "- पाठ के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए |

(२) हिंदी में उज्ज्वल भविष्य की संभावनाएँ रोजगार के माध्यम से आती है , उस पर अपने विचार लिखिए |

(आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए| (२ में से १) 04

(१) 'अकाल से उपजी गंभीर स स्थितियाँ' इस विषय पर समाचार लेखन कीजिए |

(२) " जिंदगी के साथ भी ,जिंदगी के बाद भी " यह विज्ञापन नए तरिके से आप तैयार कीजिए |

(इ) निम्नलिखित अपठित परिच्छेद पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

(१) संजाल पूर्ण कीजिए -

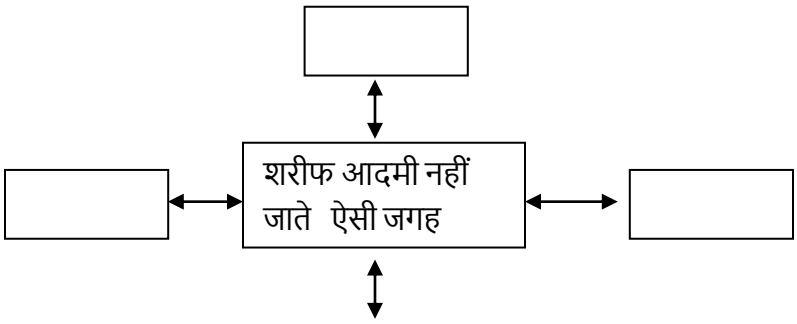

तुलसी : फ़र्माइए

प्राण : (नपी - तुली आवाज में) आप फ़र्माइए |

तुलसी : जी सब तो

प्राण : साहब की ऐसी - तैसी | तुम रास्ते से हट जाओ - आदमी हो या चीन दीवार ? (भीतर आकर) क्यों जनाब , यह क्या बदतमीजी है कि कोई दस मील पैदल चलकर हुजूर के दर्शन करने आए और आगे से जवाब मिलता है , (मुँह बनाकर) फ़र्माइए |

पति : ओह , नहीं -नहीं, आओ - आओ , कहाँ से आ रहे हो ?

प्राण : जहन्नुम से - नमस्ते भाभी !

(हाथ जोड़ता है और मोढा सरकाकर सोफे के करीब बैठता है | पति - पत्नी भी सोफे पर बैठ जाते हैं)

प्राण : क्या मैं पूछ सकता हूँ कि कल पिकनिक में क्यों तशरीफ नहीं लाए ?

पति : अरे क्या बताऊँ भाई , बस यों ही - कुछ देर हो गई - मैंने सोचा ---

प्राण : भाभी मैं तुम्हें बताए देता हूँ कि इन महानुभाव को , जिन्हें तुम्हारा पति होने का सौभाग्य प्राप्त है , बड़ी मजबूत नकेल की जरूरत है |

पति : अरे यार मजाक छोडो | यह बताओ कहाँ से आ रहे हो इस वक्त ?

प्राण : कहाँ से आ रहा हूँ | कमाल है ? तो क्या जनाब समझते हैं, मैं आप की तरह किसी क्लब , किसी होटल , किसी रेसकोर्स से नहीं आ रहा हूँ | ये सब गुलछर्रे आप ही को मुबारक हों | शरीफ आदमी हूँ , शरीफों की तरह सीधा दफ्तर से आ रहा हूँ |

पति : अरे , मैं तो इसलिए पूछ रहा था कि ----- खैर , कुछ चाय - वाय पियोगे ?

पत्नी : जी हाँ , चाय पीजिएगा ?

(२) परिच्छेद के आधार पर दो ऐसे प्रश्न बनाइए जिनके उत्तर निम्न शब्द हो--- --- 02

(क) दर्शन - ----------

(ख) मजाक - ----------

(३) अभिव्यक्ति : 02

"अतिथि देवो भाव" भारतीय संस्कृति है , इसे ४० से ५० शब्दों में लिखिए |

(ई) निम्नलिखित शब्दों के लिए हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए | (६ में से ४) 04

(i) Control Section (ii) Genetics (iii) Governor

(iv) Valedity (v) Gazette (vi) Session

विभाग –5 ,व्याकरण विभाग,अंक – 10

कृति – ५. (अ) निम्नलिखित पक्तियों में उद्रधृत अलंकार पहचानकर उसका नाम लिखिए। (३में से२)02

(१) 'तीन बेर खाती '

ते वे तीन बेर खाती है|

(२) ' रहिमन पानी राखिए , बिन पानी सब सून |

पानी गए न उबरे , मोती , मानुस , चून || '

(३) मैं सुकुमारी नाथ बन जोगु |

तुमहिं उचित तप मो कह भोगू '

(आ) –निम्नलिखित पक्तियों में उद्रधृत रस पहचानकर उसका नाम लिखिए। (३में से२) 02

(१) ' अबला जीवन हाय ! तुम्हारी यही कहानी ,

आँचल में है दूध और आँखों में पानी |

(२) ' जसोदा हरी पालनैं झुलावैं

हलरावे दुलराई मल्हावै , जोई सोई कछु गावै | '

(३) 'मैं ऐसा शूर वीर हूँ पापड तोड़ सकता हूँ |

अगर गुस्सा आ जाए तो कागज मरोड़ सकता हूँ |'

(इ) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए | (४ में से २) 02

(१) किस्मत खुलना

(२) लोहा मानना

(३) गले का हार होना

(४) आग से खेलना

(ई) –निम्नलिखित वाक्यों में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। (३ में से २) 02

(१) एक बड़े पेड़ की छाँह में उन्होंने वास किया | (अपूर्ण वर्तमान काल)

(२) हम स्वयं ही आपके पास आए| (सामान्य भविष्य काल)

(३) बबन उसे सलाम करता है | (अपूर्ण भूतकाल)

(उ)– निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए: (३ में से २) 02

(१) बाबु साहब ईश्वर के लिए मुझ पे दया कीजिए |

(२) उसे तो मछुवे पर दया करना चाहिए था |

(३) तुम जुठे साबित होगा |